IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

संवेगात्मक बुद्धि का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययनः बरेली जिले के पांच ब्लॉकों के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों का अध्ययन

Prof.Yashpal Singh
B.Ed. & M.Ed. Department
M.J.P.Rohilkhand University
Bareilly

Yogendra kumar sharma
B.Ed. & M.Ed. Department
M.J.P.Rohilkhand University Bareilly

सारांशः विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अनेक कारकों से प्रभावित होती है जिसमें से बालक की बहु बुद्धि महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करती है। बहु बुद्ध से बालक की मूर्त एवं अमूर्त दोनों प्रकार की बुद्धियां प्रभावित होती हैं जो उसकी शैक्षिक योग्यता को प्रभावित करती हैं। प्रस्तुत अध्ययन में बरेली जनपद के पॉच ब्लाकों के प्रत्येक ब्लॉक के पांच प्राथमिक शिक्षा विभाग उत्तरप्रदेश के सरकारी विद्यालयों तथा पॉच प्राथमिक शिक्षा विभाग उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों से 500 छात्र तथा 500 छात्राओं का चयन यादृच्छिक निदर्शन विधि द्वारा किया गया है । बहु बुद्धि के मापन के लिए प्रो0 यशपाल सिंह एवं शोधार्थी योगेन्द्र कुमार शर्मा के द्वारा बहु बुद्धि मापनी प्रश्नावली का निर्माण किया गया है तथा शैक्षिक उपलब्धि के लिए छात्रों के वार्षिक परीक्षा अंकों को लिया गया है। परिकल्पनाओं के परीक्षण के लिए सहसम्बन्ध गुणाक का प्रयोग किया गया है तथा बहु बुद्धि का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव के अध्ययन कि लिए क्रान्तिक अनुपात की गणना की गई है। अध्ययन के परिणाम यह इंगित करते हैं कि बहु बुद्धि शैक्षिक उपलब्धि को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है । तथा बालकों के शैक्षिक विकास में लाभकारी सिद्ध होती है।

मूल शब्दः बहु बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि।

भूमिकाः—वर्तमान समय में देश के सामाजिक, आर्थिक तथा राजनैतिक विकास में शिक्षा न केवल महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करती है बल्कि राष्ट्रीय एकता को भी सुदृढ़ बनाती है। मानव की शिक्षा एक जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है। शिक्षा व्यक्ति में न्याय संगत तथा तर्क संगत सोचने की क्षमता का विकास करती है। व्यक्ति को उत्तम शिक्षा संयोगवश प्राप्त नहीं हो जाती है बल्कि उसके लिए उचित शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का विकास करना आवश्यक होता है। वर्तमान में बहुधा शिक्षार्थीयों के शिक्षा में घटिया प्रदर्शन की जिम्मेदारी अध्यापकों व विद्यालय प्राधिकारियों पर डाल दी जाती है। हमारे समाज में अधिकतर लोग अपने बालकों की शिक्षा की ओर पर्याप्त ध्यान देते हुए प्रतीत नहीं होते हैं।

कुछ अभिभावक अपने बालकों के शैक्षिक प्रदर्शन के प्रति त्रुटिपूर्ण अवधारणा बनाएं रखते हैं तथा बालकों को किसी भी प्रकार का पथ प्रदर्शन प्राप्त नहीं कराते हैं।बालकों को मनोवैज्ञानिक दृष्टि से सम्भालने की आवश्यकता है ताकि उसमें वांछनीय व्यवहारगत गुणों का विकास हो सके तथा उनके व्यक्तित्व का उत्तम विकास हो। बहु बुद्धि का अभाव बालकों को विभिन्न क्षेत्रों तथा विभिन्न कार्य कौशलों में निम्नता को प्रदर्शित करता है तथा बालक के भविष्य को अंधकारी युक्त बनाता है।

बहु बुद्धिः– हावर्ड गार्डनर के अनुसार बुद्धि कोई एक तत्व नहीं है बल्कि कई भिन्न–भिन्न प्रकार की बुद्धियों का अस्तित्व होता है। प्रत्येक बुद्धि एक दूसरे से स्वतन्त्र रहकर कार्य करती है। गार्डनर ने यह भी बताया कि किसी समस्या का समाधान खोजने के लिए भिन्न–भिन्न प्रकार की बुद्धियां आपस में अन्तःक्रिया करती हैं। इसका अर्थ यह है कि यदि किसी व्यक्ति में किसी एक बुद्धि की मात्रा अधिक है तो यह आवश्यक नहीं है कि अन्य बुद्धि भी अधिक होगी। अपने अपने क्षेत्रों में असाधारण योग्यताओं का प्रदर्शन करने वाले अत्यन्त प्रतिभाशाली व्यक्तियों का गार्डनर ने अध्ययन किया और उसके आधार पर आठ प्रकार की बुद्धियों का वर्णन किया है।

1. **भाषागत बुद्धि :–** भाषा के उत्पादन और उपयोग के कौशल के माध्यम से अपने विचारों को तथा सामने वाले व्यक्ति को प्रभावित तथा नम्यता के साथ भाषा का उपयोग करने की क्षमता है। जिन व्यक्तियों में यह बुद्धि अधिक होती है। वह व्यक्ति अधिक वाक्पटुता वाले होते हैं तथा सामान्य व्यावहार में उनके बात करने का ढंग बहुत अच्छा रहता है।

2. **तार्किक गणितीय बुद्धिः–** वैज्ञानिक चितंन तथा समस्या समाधान करने की योग्यता रखने वाले व्यक्ति इस बुद्धि के धनी पाये जाते हैं। वैज्ञानिक तथा प्रखर गणितीय योग्यता वाले व्यक्ति प्राय इस बुद्धि के धनी होते हैं।

3. **स्थानिक बुद्धिः–** इस बुद्धि का प्रयोग मानसिक कार्य करने की योग्यता से सम्बन्धित है। इस बुद्धि का धनी व्यक्ति अपने मस्तिष्क में देशिक सूचनाओं को एकत्रित कर सकता है। इस बुद्धि के धनी व्यक्ति विमान चालक, नाविक, चित्रकार, मूर्तिकार, वास्तुकार, शल्य चिकित्सक, आन्तरिक साज सज्जा के धनी होते हैं।

4. **संगीतात्मक बुद्धिः–** संगीत, लय, रचनायें, अभिरचनायें, गीत लिखने व पढ़ने की व संगीत में निपुणता प्राप्त करने की योग्यता संगीतात्मक योग्यता कहलाती है।

5. **शारीरिक गति सम्बन्धी बुद्धिः–** सम्पूर्ण शरीर अथवा शरीर के अंगों की लोचकता प्रदर्शित करने वाले, व्यायाम व योग करने वाले, धावक, नृतक, अभिनेता, अभिनेत्रीयों, खिलाड़ी, जिमानाष्ट करने वाले इस बुद्धि के धनी होते हैं।

6. **अन्तर्वैयक्तिक बुद्धिः–** दूसरे व्याक्तियों के सूक्ष्म व्यवाहारों के प्रति संवेदनशील रहने वाले व्यक्ति, प्रेरणा से पूर्ण, भावनाओं से पूर्ण, मधुर सम्बन्ध बनाने वाले धार्मिक नेतृत्व करने वाले इस बुद्धि के धनी होते है।

7. **अन्तःव्यैक्तिक बुद्धिः–** अपनी निजी भावनाओं अभिप्रेरणाओं तथा सामने वाले व्यक्तियों के साथ अच्छे सम्बन्ध स्थापित करने वाले व्यक्ति इस बुद्धि के धनी होते हैं।

8. **प्रकृतिवादी बुद्धिः–** पर्यावरण के प्रति अधिक संवेदनशील, प्रकृति प्रेमी पशु–पक्षियों को प्रेम करने वाले इस बुद्धि के धनी होते हैं।

शैक्षिक उपलब्धि :–

शैक्षिक उपलब्धि से तात्पर्य है विद्यालय में अध्यापित विषयों में सन्तोषजनक ज्ञान प्राप्त करना है। किसी विद्यार्थी के विद्यालयों विषयों में प्राप्त ज्ञान का पता एक लिखित प्रमाण–पत्र के रूप में प्राप्त होता हैं जो विद्यार्थी विषयक कार्य के बारे में सूचित करता है। यह प्राप्त ज्ञान एव विकसित कैशल, दैनिक मासिक एवं वार्षिक परीक्षाओं में प्राप्त अंको से ज्ञात होता है। इससे यह भी ज्ञात होता है कि विद्यार्थी किसी विशिष्ट विषय में या क्षेत्र में किस प्रकार अध्ययन करे जिससे कि वह उच्च शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त कर पाये। इसके लिए एक कुशल अध्यापक नई विधि का प्रयोग करने का प्रयत्न करता है।

उद्देश्यः–

1. सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में सार्थक सम्बन्ध नहीं है
2. सरकारी विद्यालयों उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों की बहु बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि में सम्बन्ध ज्ञात करना।
3. सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्ध ज्ञात करना।
4. गैर सरकारी विद्यालयों उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों की बहु बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि में सम्बन्ध ज्ञात करना।
5. गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्ध ज्ञात करना।

परिकल्पनाएं:–

1. ''सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है''।
2. ''सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है''।
3. ''गैरसरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है''।
4. ''गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है''।
5. "सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में सार्थक सम्बन्ध नहीं है''।

सम्बद्ध साहित्य:–

ओजडेमिर, गुनेसू और टेक्काया (2006) :– कक्षा 4 के विद्यार्थियों के विज्ञान शिक्षण में शिक्षकों द्वारा अपनायी गई परम्परागत शिक्षण विधि तथा बहु–बुद्धि आधारित विज्ञान शिक्षण विधि में अन्तर ज्ञात करने के लिए एक मात्रात्मक अनुसंधान सम्पादित किया और लेखकों का पाया कि बहु–बुद्धि एक ढ़ाचे के रूप में कार्य करती है, जो शिक्षकों को छात्रों की शिक्षण अधिगम संरचना के बारे में निर्णय लेने में मदद करता है। इस शोध के ग्राफिकल और संख्यात्मक सारांश से काफी अधिक छात्र ज्ञान व अवधारण प्राप्त कर सकते हैं। लेखकों का सुझाव है कि शिक्षा व्यवस्था मे बहु–बुद्धि विशेष शक्तिशाली है। यह बहुत से शिक्षाविदों की मदद करती है, कि वह अपने कार्य पर प्रश्न करें तथा उनको प्रोत्साहित करती है कि वह कौशलों, पाठयक्रम तथा मूल्ययांकन के संकीर्ण दायरों से परे देखें।

डेविस (2004) ने :– बहु–बुद्धि अभिगम का छात्रों की सम्प्राप्ति पर प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि छात्रों के परीक्षा अंकों में औसतन 66.25 प्रतिशत से 82.25 तक वृद्धि हुई।

❖ **गुलाप शहजादा (2013) :–** यह का मुख्य उद्देश्य माताओं की शिक्षा तथा बच्चों की बहु बुद्धि में संबंध ज्ञात करना था। माताओं की शिक्षा और उनके बच्चों की शाब्दिक/भाषायी बुद्धि, तार्किक/गणितीय बुद्धि तथा संगीतक बुद्धि में एक सार्थक सहसम्बन्ध ज्ञात साथ ही माताओं की शिक्षा व उनके बच्चों की दृश्यिक/स्थानिक बुद्धि, शारीरिक/गतिकीय बुद्धि, अन्तः व्यैक्तिक तथा अन्तर व्यैक्तिक बुद्धि के मध्य असार्थक सहसम्बन्ध था। अध्ययन हेतु 327 हाईस्कूल छात्रों का प्रतिदर्श लिया

गया। डाटा संग्रहण के लिए बहु बुद्धि स्केल, भौतिकी उपलब्धि स्केल तथा व्यक्तिगत सूचना प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। अध्ययन के निष्कर्षों ने यह प्रदर्शित किया कि छात्र अध्ययन समूहों में विज्ञान हाई–स्कूल छात्रों का माध्य स्कोर, बहु बुद्धि के उप आयामों अन्तः व्यैक्तिक बुद्धि, दृश्यिक–स्थानिक बुद्धि तथा तार्किक–गणितीय बुद्धि पर अन्य तीन प्रकार के हाईस्कूल छात्र समूहों से उच्च था। स्कूल के प्रकारों के संबंध में तुलना से पता चला कि विज्ञान हाईस्कूलों तथा व्यावसायिक शिक्षा हाईस्कूलों, व्यावसायिक हाईस्कूलों तथा सामान्य हाईस्कूलों मध्य सार्थक अन्तर था।

एनीथा व अन्य (2013) :– द्वारा सरकारी व प्राइवेट विद्यालयों के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की बहु–बुद्धि के स्तरों का अध्ययन किया। इस अध्ययन का उद्देश्य नवीं कक्षा (सरकारी व प्राइवेट विद्यालयों) के विद्यार्थियो की बहु–बुद्धि स्तर का अध्ययन करना था। इस अध्ययन हेतु इन्होने सिकन्दराबाद के 240 विद्यार्थियों जिसमें से 120 छात्र व 120 छात्राएँ थी को न्यादर्श के रूप में लिया गया। ये सभी कक्षा नवीं के विद्यार्थी थे। न्यादर्शो का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा विभिन्न सरकारी व प्राइवेट विद्यालयों से किया गया। अपने अध्ययन में इन्होने पाया कि सरकारी व प्राइवेट विद्यालय के विद्यार्थियों की बहुबुद्धिमता के स्तर में सार्थक अन्तर है। छात्राओं की बुद्धिमता का स्तर छात्रों की तुलना में उच्च है। सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी तीन क्षेत्रों जैसे – तार्किक, अन्तरव्यैक्तिक व अन्तराव्यैक्तिक क्षेत्र में प्राइवेट विद्यालय के विद्यार्थियों से उत्कृष्ट पाये गये साथ हीं छात्र आध्यात्मिक व प्राकृतिक बुद्धिमता में अच्छे पाये गये।

शोध विधिः– इस अध्ययन हेतु सर्वेक्षण विधि को प्रयोग में लाया गया है।

न्यादर्शः– इस में बरेली जनपद के पांच ब्लॉकों के उच्च प्राथमिक स्तर पर सरकारी विद्यालयों तथा गैर सरकारी विद्यालयों के कक्षा 7 में अध्ययनरत 500 छात्रों तथा 500 छात्राओं का चुनाव यादृच्छिक निदर्श प्रणाली से किया गया है।

उपकरणः– 1. बहु बुद्धि के मापन के लिए प्रो0 यशपाल सिंह एवं शोधार्थी योगेन्द्र कुमार शर्मा के द्वारा निर्मित बहु बुद्धि मापनी प्रश्नावली।

2. शैक्षिक उपलब्धि के लिए छात्रों के वार्षिक परीक्षा अंकों को लिया गया है।

सांख्यकीय तकनीकिः– आंकडों के निर्वचन कि लिए मध्यमान, मानक विचलन, सहसम्बन्ध गुणांक तथा क्रान्तिक अनुपात मान को प्रयोग किया गया है।

आंकडों का विश्लेषण तथा निवर्चनः–

तालिका सं0 4.2.13 (A)

सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों का अध्ययन

क्रम सं0	चर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	सहसम्बन्ध गुणांक	क्रान्तिक मान	सार्थकता
1	बहु–बुद्धि	250	46.44	14.68	–0.2106814	3.35	0.01 स्तर पर सार्थक
2	शैक्षिक उपलब्धि	250	56.19	10.76			

तालिका सं0 4.2.13 (A) के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि का परीक्षण प्राप्ताँकों का मध्यमान 46.44 एवं मानक विचलन 14.68 ज्ञात हुआ तथा परीक्षण शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 59.19 एवं मानक विचलन 10.76 प्राप्त हुआ। सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि का शैक्षिक उपलब्धि के प्रभाव के बीच सम्बन्ध ज्ञात करने के लिए सहसम्बन्ध गुणॉक –0.2106814 की गणना की। यह जानने के लिए कि उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में सार्थक सम्बन्ध है अथवा नहीं, के लिए क्रान्तिक मान ज्ञात किया जो 3.35 प्राप्त हुआ, जो कि सार्थकता सारणी में देखने से ज्ञात होता है कि यह मान 1.96 एवं 2.58 से अधिक पाया गया। इस प्रकार कहा जा सकता है कि सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में 0.01 स्तर पर सार्थक सम्बन्ध है।

अतः परिकल्पना संख्या–13 (A) ''सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है''–अस्वीकृत की जाती है।

तालिका सं0 4.2.13 (B)

सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों का अध्ययन

क्रम सं0	चर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	सहसम्बन्ध गुणांक	क्रान्तिक मान	सार्थकता
1	बहु–बुद्धि	250	42.88	17.45	0.095774	1.52	असार्थक
2	शैक्षिक उपलब्धि	250	57.84	10.13			

तालिका सं0 4.2.13 (B) के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि का परीक्षण प्राप्ताँकों का मध्यमान 42.88 एवं मानक विचलन 17.45 ज्ञात हुआ तथा परीक्षण शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 57.84 एवं मानक विचलन 10.13 प्राप्त हुआ। सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि का शैक्षिक उपलब्धि के प्रभाव के बीच सम्बन्ध ज्ञात करने के लिए सहसम्बन्ध गुणॉक 0.095774 की गणना की। यह जानने के लिए कि उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में सार्थक सम्बन्ध है अथवा नहीं, के लिए क्रान्तिक मान ज्ञात किया जो 1.52 प्राप्त हुआ, जो कि सार्थकता सारणी में देखने से ज्ञात होता है कि यह मान 1.96 एवं 2.58 से कम पाया गया। इस प्रकार कहा जा सकता है कि सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

अतः परिकल्पना संख्या–13 (B) ''सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है''–स्वीकृत की जाती है।

तालिका सं0 4.2.13 (C)

गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों का अध्ययन

क्रम सं0	चर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	सहसम्बन्ध गुणांक	क्रान्तिक मान	सार्थकता
1	बहु–बुद्धि	250	41.90	15.82	0.105948	1.68	असार्थक
2	शैक्षिक उपलब्धि	250	55.64	10.08			

तालिका सं0 4.2.13 (C) के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि का परीक्षण प्राप्ताँकों का मध्यमान 41.90 एवं मानक विचलन 15.82 ज्ञात हुआ तथा परीक्षण शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 55.64 एवं मानक विचलन 10.08 प्राप्त हुआ। गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि का शैक्षिक उपलब्धि के प्रभाव के बीच सम्बन्ध ज्ञात करने के लिए सहसम्बन्ध गुणॉक 0.105948 की गणना की। यह जानने के लिए कि उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में सार्थक सम्बन्ध है अथवा नहीं, के लिए क्रान्तिक मान ज्ञात किया जो 1.68 प्राप्त हुआ, जो कि सार्थकता सारणी में देखने से ज्ञात होता है कि यह मान 1.96 एवं 2.58 से कम पाया गया। इस प्रकार कहा जा सकता है कि गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

अतः परिकल्पना संख्या–13 (C) "गैरसरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है"–स्वीकृत की जाती है।

तालिका सं0 4.2.13 (D)

गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों का अध्ययन

क्रम सं0	चर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	सहसम्बन्ध गुणांक	क्रान्तिक मान	सार्थकता
1	बहु–बुद्धि	250	41.48	17.36	0.06688	1.06	असार्थक
2	शैक्षिक उपलब्धि	250	57.78	9.19			

तालिका सं0 4.2.13 (D) के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि का परीक्षण प्राप्ताँकों का मध्यमान 41.48 एवं मानक विचलन 17.36 ज्ञात हुआ तथा परीक्षण शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 57.78 एवं मानक विचलन 9.19 प्राप्त हुआ। गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि का शैक्षिक उपलब्धि के प्रभाव के बीच सम्बन्ध ज्ञात करने के लिए सहसम्बन्ध गुणॉक 0.06688 की गणना की। यह जानने के लिए कि उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में सार्थक सम्बन्ध है अथवा नहीं, के लिए क्रान्तिक मान ज्ञात किया जो 1.06 प्राप्त हुआ, जो कि सार्थकता सारणी में देखने से ज्ञात होता है कि यह मान 1.96 एवं 2.58 से कम पाया गया। इस प्रकार कहा जा सकता है कि गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

अतः परिकल्पना संख्या–13 (D) ''गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है''–स्वीकृत की जाती है।

शोध परिणाम :–

1. सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में 0.01 स्तर पर सार्थक सम्बन्ध है।
2. सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।
3. सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।
4. गैर सरकारी विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं की बहु–बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्धों में कोई सार्थक सम्बन्ध नहीं है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1. एलीच, सी0 एम0 (1987), ''ए बैटर विजन ऑफ स्कूल्स'' *एलन एवं बेकन, इनकार्पोरेशन,* लंदन।
2. भटनागर, आर0 पी0 एवं भटनागर, ए0 बी0 एवं भटनागर, अनुराग (2015), ''शिक्षा अनुसंधानः प्रक्रिया, प्रकार एवं सांख्यिकीय आधार'' आर0 लाल बुक डिपो,मेरठ।
3. गुप्ता, के0 एल0 (2010), ''परिमाणात्मक विधियाँ'' नवनीत प्रकाशन गृह, सदर बाजार, आगरा–1।
4. सिंह, गया (2013), ''शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ'' आर0 लाल बुक डिपो,मेरठ।
5. सिंह, रामपाल एवं शर्मा, ओ0 पी0 (2005), ''शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी'' विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा–2।
6. अहमद, सैयद सलमान (2008), ''फिनोमिनोलॉजिकल एनलसिस ऑफ सेल्फहुडः वेलिडेशन ऑफ द अफेक्ट एण्ड कंट्रोल स्केलस ऑफ द मेथड, जनरल ऑफ द इंडियन ऐकेडमी ऑफ अप्लाइड साइकोलॉजी, नागपुर, वाल्यूम. 34, न0 1, 163–173।
7. भटनागर, ए0 बी0 एवं भटनागर, मीनाक्षी एवं भटनागर, अनुराग (2014), ''अधिगमकर्ता का विकास एवं शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया'' आर0 लाल बुक डिपो,मेरठ।
8. गुप्ता, एस0 पी0 एवं गुप्ता, अलका (2018), '' उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान–सिद्धान्त एवं व्यवहार'' शारदा पुस्तक भवन, यूनिवर्सिटी रोड, प्रयागराज।
9. गुप्ता, एस0 पी (2003), ''आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन'' शारदा पुस्तक भवन, 11 यूनिवर्सिटी रोड, इलाहाबाद।
10. अग्रवाल, जे0 सी0 एवं अग्रवाल, एस0 (1990), ''भारत में शिक्षा'' कन्सेप्ट पब्लिकेशन कम्पनी, ए/15–16, कामर्शियल ब्लॉक, नई दिल्ली।
11. इन्दु एच (2009), इमोशनल इंटेलिजेन्स ऑफ सेकेन्डरी टीचर ट्रेनीज़, *एजुट्रेक,* 8(9), 34–36.
12. बेस्ट, जे0 डबलू0 (1963), ''शिक्षा में अनुसंधान'' प्रेन्टिस हॉल, इनकार्पोरेशन, इग्लिवुड क्लिफ।
13. बुश, एम0 बी0 (1987), ''रिसर्च इन एजुकेशन थर्ड सर्वे'' (1978–83), एन0 सी0 ई0 आर0 टी0, नई दिल्ली.।

14. गैरट, एच0 एफ0 (1949), ''ए रिव्यू एण्ड इंटरपिटेशन ऑफ फैक्टर रिलेटेड टू स्कूलिस्टिक सक्सैस इन क्लासेज ऑफ ऑर्ट एण्ड साइन्स एण्ड टीचर क्लासेज'', जे0 एक्स. एजू., 18, 21–138.।

15. शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार (1953), ''माध्यमिक शिक्षा आयोग रिपोर्ट'', नई दिल्ली।

16. भावलकर, स्मिता एवं अमल्नेरकर, स्वाति (2008), एनहांसिंग इमोशनल इंटेलीजेन्स, इनहांसिंग क्वालिटी ऑफ लाइफ, *एजुट्रेक,* 7(5), 14–15.

17. नारायण, श्रुति एवं विजयलक्ष्मी (2010), इमोशनल इंटेलिजेंस एंड एकेडेमिक एचीवमेंट ऑफ स्कूल चिल्ड्रन, *साइको लिंग्वा* , 40(1–2), 80–83.

18. तिवारी, दीपा एवं सक्सेना, शालिनी (2013) 10+2 स्तर पर कला तथा विज्ञान वर्ग में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के स्वप्रत्यय एवं सांवेगिक बुद्धिमत्ता का तुलनात्मक अध्ययन, *रिसर्च लिंक 107,* 11(12), 123–125.

19. गोलमेन, डी. (1995), इमोशनल इन्टेलिजेन्स, बैनटॉम बुक, न्यूयॉर्क।

20. एडियामो, ए. डी. (2003), द बफरिंग इफेक्ट ऑफ इमोशन इन्टेलिजेन्स ऑन द एडजस्टमेंट ऑफ सेकंडरी स्कूल स्टूडेंट इन ट्रांशेसन. *इलेक्ट्रॉनिक जर्नल ऑफ रिसर्च इन एजुकेशनल साइकोलॉजी* . 6(2), 79–90.

21. गोरे, आर0, कटियार, बी0 (2011), माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत् अन्तर्मुखी एवं बहिर्मुखी शिक्षकों की शिक्षण दक्षता, *संदर्भ (वैश्विक शैक्षिक परिपेक्ष्य)* वर्ष–1, अंक–1, पृष्ठ सं0. –67–74।

22. श्रोत्रिया, एन0 (2009), पर्सनालिटी डिफरेन्सेन अमंग मेल एण्ड फीमेल टीचर्स, *द एसियन मैन,* वाल्यूम–3(2) पृष्ठ सं0–188–191।

23. डगलस, एच0 एल0 ''द रिलेशन ऑफ हाई स्कूल प्रिपरेशन एण्ड सर्टेन अदन फैक्टर टू एकेडमिक सक्सेस एट द यूनिवर्सिटी ऑफ आरेगन'', न्यूगिनी.।

24. बारलिंगे, एम0 के0 (1971), ''ए स्टडी ऑफ द इन्फलूएन्स ऑफ मदरर्स पर्सनालिटी ऑन द पर्सनालिटी ऑफ द चाइल्ड ऑन ए सैम्पल ऑफ महाराष्ट्र स्टेट''।

25. बी0 कुप्पूस्वामी (1974), ''उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान'' स्टेरलिंग पब्लिशिंग लि0 नई दिल्ली।

26. कोहन, पी0 ए0 (1981), ''स्टूडेन्ट रेटिंग ऑफ इन्सट्रक्शन एण्ड स्टूडेन्ट अचीवमेन्टः ए मेटा एनलसिस ऑफ मल्टीसेक्शन वैलेडिटी स्टडीज।

27. आर्मिश, जे0 एण्ड एम0 फ्रान्सिकोनी, (2000), '' द इफेक्ट ऑफ पेरेन्टस इम्पलोयमेण्ट ऑन चिल्डरन्स ऐजुकेशनल अटेनमेन्ट'' IZA डिस्कशन, PP 215, इन्सटीटयूट फॉर द स्टडी ऑफ लेबर (IZA)] बॉन।

28. हेमलता, मल्लूर, (2008), ''सेल्फ कॉन्फिडेन्स, हयूमन रिलेशनशिप एण्ड ऐकेडमिक परफोरमेन्स ऑफ हायर सेकेण्डरी बॉयज'' जनरल ऑफ साइकोलोजिकल रिसर्च, जनवरी, 2008, वाल्यूम. 52, नं0 1, 14–16।

29. गुप्ता, बिन्दु (2008), ''रोल ऑफ पर्सनालिटी इन नोलेज शेयरिंग एण्ड नोलेज इक्वेजन बिहेवियर, जनरल ऑफ द इंडियन ऐकेडमी ऑफ अप्लाइड साइकोलॉजी, वाल्यूम 34, न01, 143–149।

30. अल्पोर्ट, जी0 डब्लू0 (1959), ''पर्सनेलिटी एण्ड साइकोलॉजिकल इण्टरपिटेशन'' कॉस्टेबल एण्ड कं0 लि0, लन्दन।

31. गैरट, एच0 ई0 (1980), ''स्टेटिस्टिक्स इन साइकोलॉजी एण्ड एजुकेशन'' डैव्ड मैके कं0।

32. बेस्ट, जॉन0 डब्लू0 (1977), ''रिसर्च इन एजुकेशन'' प्रेन्टिस हॉल ऑफ इंडिया प्रा0 लि0।

33. अग्रवाल, जे0 सी0 (1975), ''शैक्षिक अनुसंधान'' आर्य बुक डिपो।

34. चन्द्रशेखरन, के0 (2008), '' ए स्टडी ऑफ इन्वायरमेंट ऑन पर्सनेलिटी डवलपमेन्ट'' जनरल ऑफ साइकोलोजिकल रिसर्च, जनवरी, 2008 वाल्यूम, 52 नं0 1, 17–18।

35. त्रिपाठी, सुनील तथा सिंह, जय (2017), ''जौनपुर जले के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों के शालेय संवेगात्मक वातावरण का उनके शैक्षणिक उपलब्धि पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन''।

International journal of advance educational research,ISSN: 24566157,Vol.2issue1,Jan.2017,pp www.educationaljournal.org.

36. वर्मा, अरूणा (2009), ''विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, मूल्यों एवं संवेगात्मक परिपक्वता पर पाठ्यसहगामी क्रियाओं के प्रभाव का अध्ययन''।

37. अरोरा, आर0 के0 (1992), इन्टरनेशनल इफैक्ट ऑफ क्रियेटिविटी एण्ड इंटैलीजेन्स ऑन इमोशनल स्टाबिलिटी, पर्सनालिटी एडजेस्टमेण्ट एण्ड ऐकेड़मिक अचीवमेण्ट. Fifth Survey of Educational Research, 1988-92, Vol.II, NCERT, 1860.
38. **Barchard, K. A. (2003).** Does Emotional Intelligence Assist in the Prediction of Academic Success? Educational and Psychological Measurement, 63, 840-858.
39. **Cooper, R. K. (1997).** Applying emotional intelligence in the workplace. Training & Development, 38, 31-38.
40. **Gardner, H. (1993a).** Frames of mind: The theory of multiple intelligences. New York, NY: Basic Books.
41. **Goleman, D. (1995).** Emotional Intelligence. New York: Bantam Books.
42. **Goleman, D. (1998).** Working with emotional intelligence. New York: Bantam Books.
43. **Good, C. V. (1959).** Dictionary of Education. New York:McGraw Hill Book Company.
44. **D'Ambrosio, M., (2002).** Emotional Intelligence in the Classroom. Academic Exchange Quarterly, 6(2), 46-51.
45. गाखर, एस0 सी0 एवंम मनहास, के0 सी0(2005), कॉगनेटिव कोरिलेटस ऑफ इमोशनल इन्टेलिजेन्स ऑफ एडोलसेण्टस. जर्नल ऑफ एजूकेशन, 2(2), 78–83.
46. कौर, एम0. (2001), ''ए स्टडी ऑफ इमोशनल मैच्युरिटी ऑफ एडोलसेण्ट इन रिलेशन टू इन्टैलीजेन्स, एकेडमिक अचीवमेण्ट एण्ड एन्वायरमेण्टल कैटलिस्ट'', पीएच0डी0 थीसिस इन साइकोलॉजी, पंजाब यूनिवर्सिटी।